शाजापुर का विकास हमारी प्राथमिकता

हम जिले के विकास में कोई कमी नहीं रखेंगे : सीएम डॉ. यादव

भोपाल,21 दिसंबर. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शाजापुर जिले ने प्रदेश को हमेशा नई सोच और दिशा दी है, इसलिए विकास में शाजापुर का पहला अधिकार है. हम जिले के विकास में कोई कमी नहीं रखेंगे. मक्सी के साथ-साथ अब शाजापुर में भी बदलाव की बयार बह रही है. हम सब मिलकर मध्यप्रदेश को एक विकसित और समृद्ध प्रदेश बनाएंगे. मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित शाजापुर जिले के जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संगठनों के अभिनंदन एवं आभार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे.

इस अवसर पर शाजापुर जिले के जनप्रतिनिधियों, उद्योग संघ, डॉक्टर्स एसोसिएशन, कर्मचारी संघ, अधिवक्ता संघ, उद्योग भारती सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का पुष्पहार, अंगवस्त्रम एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया. बीते दो वर्षों में शाजापुर जिले को मिली विकास की कई सौगातों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने दो साल-बेमिसाल का उद्घोष किया. मुख्यमंत्री ने कहा कि शाजापुर दो मेट्रोपोलिटन क्षेत्रों के बीच स्थित एक महत्वपूर्ण केंद्र है. यहां जल्द ही मेडिकल कॉलेज की स्थापना की जाएगी, जबकि शुजालपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज का निर्माण कराया जा रहा है. मक्सी, जो पहले औद्योगिक केंद्र था लेकिन विकास से वंचित रह गया था, अब नई गति से आगे बढ़ रहा है. शाजापुर में भी विकास के कई बड़े कार्य प्रगति पर हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के नागरिक जो चाहेंगे, सरकार उनके लिए वह सब करने का प्रयास करेगी.

> विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि डॉ. मोहन यादव प्रदेश का गौरव हैं. मात्र दो वर्षों में उन्होंने प्रदेश की तस्वीर बदल दी है. शाजापुर जिले को सबसे अधिक विकास कार्यों की सौगात मिली है. उन्होंने बताया कि इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन रीजन में शाजापुर जिले का बड़ा हिस्सा शामिल होने से विकास को नई गति मिलेगी. विधायक भीमावद ने बताया कि मक्सी क्षेत्र में 8,000 करोड़ रुपये के निवेश से सोलर प्लेट निर्माण उद्योग की स्थापना, शाजापुर मेडिकल कॉलेज, आलू-प्याज मंडी की मंजूरी, शाजापुर एबी रोड का 4-लेन निर्माण तथा मक्सी-मोहन बड़ोदिया बायपास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है. इससे जिले को विकास के नए पंख लगे हैं.

महाकुंभ में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए नई कवायद

▸ शहर में नया एयर मॉनिटरिंग सेंटर बनेगा

नवभारत न्यूज़

उज्जैन. सिंहस्थ 2028 जैसे विशाल आयोजन की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है और अनुमान है कि इस दौरान शहर में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंचेंगे. इतनी बड़ी आवक के चलते वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने की आशंका है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने तैयारियां तेज कर दी हैं. अब कार्यालय के परिसर में कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है.

महाकुंभ के दौरान शहर की हवा का रुख क्या रहेगा, उसको लेकर तकनीकी टीम प्लान बना रही है. महाकाल क्षेत्र, हरिफाटक, मंगलनाथ मार्ग से लेकर सिंहस्थ क्षेत्र के साथ ही शहर की प्रमुख सड़कों पर सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है, इसलिए वायु गुणवत्ता की सटीक निगरानी और नियंत्रण के लिए हाईटेक सिस्टम स्थापित किया जा रहा है.

प्रदूषण बोर्ड के कंट्रोल रूम में लगी थी आग-महाकाल मंदिर परिसर में एयर क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम में आग लगने की घटना 5 मई 2025 को हुई थी,तब शंख द्वार के समीप लगाए गए ट्रक्स की बैटरी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की थी,जिसमें उपकरण और ट्रस्ट सहित पूरा सेटअप जल गया था. अनुमानित 5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, हालांकि सौभाग्य से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई. केवल एक कर्मचारी के हाथ झुलसने की मामूली चोट दर्ज हुई. उस दौरान आग बुझाने के लिए दमकल दल ने तत्काल हस्तक्षेप किया, सुरक्षा कारणों से कुछ समय के लिए दर्शन भी रोके गए और बाद में फिर से शुरू किए गए. घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि तीर्थ क्षेत्र जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा और तकनीक दोनों को मजबूत बनाना अनिवार्य है.

घटना ने दिखाई राह-अब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने इस घटना से सबक लेते हुए महाकाल परिसर में उपकरण लगाने के बजाय सीएएक्यूएमएस को भरतपुरी स्थित प्रदूषण कार्यालय में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया है. नया हाईटेक कंट्रोल रूम इसी कार्यालय परिसर में बनाया जा रहा है, जहां उपकरणों को सुरक्षित रखा जाएगा और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई संभव हो सकेगी.

क्षेत्रीय अधिकारी काले का नवाचार-प्रदूषण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी दीपक काले द्वारा जिस प्रकार से नए कंट्रोल रूम को बनाने की तैयारी की जा रही है, ऐसे में इसे नवाचार के तहत देखा जा रहा है जो सिंहस्थ के मद्देनजर बहुत उपयोगी साबित होगा, कुल उद्देश्य है कि वायु गुणवत्ता की मॉनिटरिंग लगातार होती रहे और महाकुंभ जैसे अति संवेदनशील अवसर पर सिस्टम पूर्ण रूप से सुरक्षित व सक्रिय रहे.

भारी भीड़ में पर्यावरणीय चुनौती

सिंहस्थ 2028 केवल धार्मिक और सांस्कृतिक अवसर नहीं, बल्कि प्रशासनिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी चुनौती है. महाकाल क्षेत्र में बीती घटना ने यह सिखा दिया कि तकनीक की सुरक्षा सर्वोपरि है. इसलिए नए कंट्रोल रूम, सुरक्षित उपकरण और निरंतर मॉनिटरिंग की व्यवस्था के साथ शहर इस बार प्रदूषण नियंत्रण के बेहतर प्रबंध का प्रयास कर रहा है, ताकि श्रद्धालु स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सकें और महाकुंभ का आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सके.

तत्काल प्रदूषण कंट्रोल हो सकेगा

सिंहस्थ के दौरान शहर में वाहनों का दबाव बढ़ेगा, रैलियां, पूजन-अनुष्ठान, धूल, धुआं और अन्य गतिविधियां वायु प्रदूषण को बढ़ा सकती हैं. इन परिस्थितियों में बोर्ड एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशनों को उन्नत कर रहा है, ताकि हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा रीयल टाइम में नापी जा सके और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन द्वारा त्वरित कदम उठाए जाएं. बोर्ड वेंटिलेशन प्लान, डस्ट कंट्रोल, स्मॉग स्तर की रोकथाम और संवेदनशील क्षेत्रों के लिए आपात प्रतिक्रिया योजना पर भी कार्य कर रहा है.

'आदि बाजार-2025' का हुआ शुभारंभ

बैतूल, 21 दिसंबर. भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने रविवार को बैतूल में जनजातीय संस्कृति, शिल्प और वाणिज्य की भावना को समर्पित 'आदि बाजार-2025' का शुभारंभ कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। खण्डेलवाल ने कहा कि जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित यह बाजार जनजातीय उद्यमियों को अपने हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय हेतु एक सशक्त मंच प्रदान करता है, जिससे उनकी आजीविका को बढ़ावा मिलता है।

श्री खण्डेलवाल ने सभी जनजातीय उद्यमी भाई-बहनों को इस पहल के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दीं। इस अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर, जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, विधायक महेंद्र सिंह चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रीवा-इंदौर विमान सेवा का शुभारंभ आज

रीवा, 21 दिसंबर. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल एवं संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में रीवा एयरपोर्ट में 22 दिसंबर को रीवा-इंदौर विमान सेवा का शुभारंभ होगा.

यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे से आरंभ होगा. इससे विन्ध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के साथ ही विदेशों के लिए भी सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी. इस हवाई सेवा से विन्ध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिकों को भी व्यापार, व्यवसाय के साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षा में सुविधा भी मिलेगी. रीवा से इंदौर के लिये एटीआर 72 विमान उड़ान भरेगा. इंडिगो एयरलाइंस की इस नियमित सेवा में वायुयान सुबह 11.30 बजे इंदौर से रवाना होकर दोपहर बाद 1.15 बजे रीवा आयेगा तदुपरांत 1.35 बजे रीवा से इंदौर रवाना होगा.

गो अभयारण्य को लेकर संत समाज का 29 को आंदोलन

भिण्ड. मध्यप्रदेश के भिण्ड-ग्वालियर नेशनल हाईवे को सिक्सलेन बनाने, सड़क हादसों पर रोक लगाने और गौ अभयारण्य की स्थापना की मांग को लेकर संत समाज अब खुलकर आंदोलन के रास्ते पर उतर आया है. इसी क्रम में 29 दिसंबर को भिण्ड जिले के बरेठा टोल प्लाजा पर संत सभा के साथ एक दिवसीय टोल फ्री आंदोलन किया जाएगा. अखिल भारतीय संत समिति के तत्वावधान में कालिका माता मंदिर बघेली बहादुरपुरा में आयोजित संत समाज की बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया. बैठक में तय हुआ कि 29 दिसंबर को मालनपुर टोल प्लाजा पर संत सभा आयोजित की जाएगी.

रिटायर कर्मचारी को लेकर हाईकोर्ट का फैसला

जबलपुर, 21 दिसंबर. मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने महत्वपूर्ण फैसले में 2006 से पहले सेवानिवृत एक सरकारी कर्मचारी को छठवें वेतनमान का लाभ प्रदान करने के आदेश दिए हैं। यह फैसला सेवानिवृत कर्मचारियों के मामले में काफी राहत देने वाला माना जा रहा है.

इस प्रकरण में याचिकाकर्ता भोपाल निवासी प्रेमलता श्रीवास्तव हैं, जो वर्ष 2004 में शासकीय सेवा से सेवानिवृत हुई थीं. उन्होंने न्यायालय में याचिका दायर कर अनुरोध किया था कि उन्हें छठवें वेतनमान के अनुसार वेतन पुनर्गठन, संशोधित पेंशन और बकाया राशि का भुगतान किया जाए।

चूंकि उनकी सेवानिवृति के समय छठवां वेतनमान लागू नहीं हुआ था, इसलिए उन्हें इसका नाम नहीं दिया गया था।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप श्रीवास्तव ने अपना पक्ष रखते हुए न्यायालय को अवगत कराया कि समान परिस्थितियों में अन्य सेवानिवृत कर्मचारियों को लाभ दिया जाना न्यायसंगत है. उन्होंने कहा कि यह मामला समानता और न्याय के सिद्धांतों में जुड़ा हुआ है.

> उच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई के बाद याचिकाकर्ता के पक्ष में निर्णय देते हुए संबंधित विभाग को 90 दिनों की समय सीमा के भीतर छठवें वेतनमान के अनुरूप लाभ प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं. अधिवक्ता का कहना है कि यह निर्णय 2006 से पूर्व सेवानिवृत शासकीय सेवकों के अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण है और इस तरह के अन्य सेवानिवृत कर्मचारी भी अपने अधिकारों को लेकर न्यायालय की शरण ले सकते हैं.

50 हजार से अधिक पद भरे जाएंगे

भोपाल, 21 दिसंबर. मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि राज्य की विद्युत कंपनियों में पचास हजार से अधिक नियमित पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की गयी है और इस कदम से कंपनियों की कार्यप्रणाली सुदृढ़ होगी.

अपने विभाग की दो वर्ष की उपलब्धियां गिनाने के लिए आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री तोमर ने यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि मंत्रिपरिषद ने बिजली कंपनियों में पचास हजार से अधिक नियमित पदों के सृजन को स्वीकृति प्रदान की है. इससे बिजली कंपनियों की कार्यप्रणाली सुदृढ़ होने के साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों को तत्काल निराकरण करने में मदद मिलेगी. इसके जरिए सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्रदान कर रही है. मंत्री तोमर ने कहा कि इस वर्ष बारह दिसंबर को राज्य के इतिहास में 19,113 मेगावॉट की सर्वाधिक मांग बिना किसी कटौती के सफलतापूर्वक पूरी की गयी. उन्होंने बताया कि सरकार राज्य में बिजली की बढ़ती हुयी मांग को पूर्ण करने में सक्षम है और वर्तमान में कुल अनुबंधित क्षमता 25,081 मेगावाट है, जो इस राज्य को बिजली सरप्लस बनाती है.

> स्मार्ट मीटर के परिप्रेक्ष्य में मंत्री तोमर ने कहा कि यह ईमानदार उपभोक्ताओं के लिए फायदेमंद हैं. मंत्री ने बताया कि सरकार घरेलू व कृषि उपभोक्ताओं को प्रतिवर्ष छब्बीस हजार करोड़ रुपयों से अधिक की सब्सिडी मुहैया करा रही है. इसके अलावा उद्योगों को भी प्रतिवर्ष दो सौ करोड़ रुपयों की छूट प्रदान की जाती है.

सहायक प्राध्यापक पर छात्रा से छेड़छाड़ का मामला दर्ज

शहडोल. जिले में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक की एक छात्रा की लिखित शिकायत पर अमरकंटक पुलिस ने सहायक प्राध्यापक डॉ. नयन साहू के खिलाफ छेड़छाड़ का अपराध दर्ज कर लिया है. सूत्रों के अनुसार छात्रा की शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा एक आंतरिक जांच समिति का गठन किया. समिति ने अपनी जांच में सहायक प्राध्यापक डॉ. नयन साहू को दोषी पाया. आंतरिक जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. पुलिस मामले की जांच कर रही है कानूनी प्रक्रिया अपनाई जा रही है.

सड़क निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन

मंत्री विश्वास सारंग ने दी विकास की सौगातें

भोपाल,21 दिसंबर. मध्यप्रदेश के सहकारिता मंत्री तथा नरेला के विधायक विश्वास कैलाश सारंग ने वार्ड क्रमांक 70 स्थित पशुपतिनाथ मंदिर के समीप सड़क निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया. इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को कई विकास कार्यों की सौगात दी गई.

भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में नेपाली समाज द्वारा मंत्री श्री सारंग का पारंपरिक ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा और आत्मीय स्वागत किया गया. स्वागत से अभिभूत मंत्री ने समाजजनों का आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा का समग्र, संतुलित और सतत विकास उनका संकल्प है. वर्ष 2008 से पूर्व नरेला क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित था, लेकिन भाजपा सरकार और निरंतर प्रयासों से आज नरेला ने विकास की नई पहचान बनाई है. उन्होंने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र में चौड़ी और गुणवत्तापूर्ण सड़कें, मजबूत विद्युत व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल और बेहतर नाली-ड्रेनेज सिस्टम उपलब्ध हैं. कार्यक्रम में नेपाली समाज के अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे, पूर्व अध्यक्ष दिवाकर आर्याल सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे.

लोन का झांसा देकर साइबर ठगी

50 लाख से अधिक की धोखाधड़ी

भिण्ड, 21 दिसंबर. मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले में साइबर ठगी के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अज्ञात ठगों ने मोबाइल लिंक, ऑनलाइन ऐप और अन्य डिजिटल माध्यमों से लोगों के बैंक खातों से लाखों रुपये उड़ा लिए हैं. बीते एक महीने में पीड़ितों ने अलग-अलग थानों में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

भिण्ड देहात थाना क्षेत्र के विशाल नगर, बीटीआई रोड निवासी नीलम राठौर के मोबाइल पर 29 नवंबर की शाम एक अज्ञात नंबर से लिंक भेजा गया. लिंक खोलते ही उनका मोबाइल हैक हो गया और करीब 20 मिनट तक उनके नियंत्रण से बाहर रहा. इस दौरान उनके बैंक खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल एक लाख रुपये निकाल लिए गए. सूचना मिलते ही पीड़िता ने बैंक और साइबर सेल से संपर्क किया. पुलिस ने धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है.

मेहगांव थाना क्षेत्र निवासी इरशाद खान ने बताया कि 1 दिसंबर की रात उनके खाते से लगातार ट्रांजेक्शन अलर्ट आने लगे. पासबुक अपडेट कराने पर 1 लाख 44 हजार 20 रुपये निकलने की पुष्टि हुई. ठगी किस माध्यम से हुई, इसकी जानकारी पीड़ित को भी नहीं है. पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर तकनीकी जांच शुरू की है.

> मेहगांव के ही निवासी मुकेश राठौर के खाते से 11 नवंबर को 1 लाख 6 हजार 213 रुपये संदिग्ध परिस्थितियों में निकल गए. पीड़ित के अनुसार न तो कोई कॉल आया और न ही कोई लिंक या ऐप इंस्टॉल किया गया. बैलेंस चेक करने पर ठगी का पता चला.

प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घना कोहरा

भोपाल, 21 दिसंबर. मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर लगातार जारी है. प्रदेश के कई हिस्सों में जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है. हालात यह हैं कि रीवा में रविवार सुबह विजिबिलिटी 50 मीटर से भी कम दर्ज की गई, जिससे सड़क और रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ. कोहरे के कारण कई ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं.

ग्वालियर समेत प्रदेश के 18 जिलों में घना कोहरा छाया रहा, जबकि कई अन्य जिलों में मध्यम स्तर का कोहरा देखा गया. मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 2.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे कम तापमान है. प्रदेश में पहली बार तापमान 3 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा है. पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्य रूप से शुष्क बना रहा. शहडोल और सिवनी जिलों में शीत लहर का प्रभाव देखा गया, जबकि नरसिंहपुर और ग्वालियर जिलों में शीतल दिन की स्थिति रही. अधिकतम तापमान में शहडोल संभाग के जिलों में 2.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि अन्य संभागों में तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ. रीवा संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.1 डिग्री तक कम रहा, वहीं शहडोल संभाग में यह सामान्य से 2.1 डिग्री तक कम दर्ज किया गया. न्यूनतम तापमान में भी पिछले 24 घंटों में विशेष बदलाव नहीं देखा गया. भोपाल और जबलपुर संभाग के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.6 से 2.7 डिग्री सेल्सियस तक कम रहा, जबकि चंबल संभाग के जिलों में यह सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक रहा.

प्राकृतिक स्थल | कूनो नदी का सौंदर्य पर्यटन की नई पहचान

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की दहाड़

श्योपुर 21, दिसंबर. मध्यप्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान अब केवल चीतों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रकृति प्रेमियों और पर्यटन के शौकीनों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बनता जा रहा है. घने जंगल, ऊँचे-ऊँचे पहाड़ और पठार, विस्तृत घास के मैदान, देव खो सहित अन्य प्राकृतिक स्थल तथा रोमांचक चीता सफारी कूनो को एक अनूठा पर्यटन अनुभव प्रदान करते हैं.

कूनो राष्ट्रीय उद्यान की जीवनरेखा मानी जाने वाली कूनो नदी इस पूरे क्षेत्र की रीड की हड्डी की तरह है. यह नदी राष्ट्रीय उद्यान को दो भागों में बांटते हुए ऊँचे पहाड़ों, पठारों और घास के मैदानों से होकर बहती है और आगे चलकर चंबल नदी में मिल जाती है. चूंकि यह इलाका चंबल क्षेत्र का हिस्सा माना जाता है, इसलिए यहां कभी दस्युओं और बागियों की कहानियां भी खूब प्रचलित रही हैं. लेकिन अब प्रोजेक्ट चीता ने कूनो को एक नई और सकारात्मक पहचान दिला दी है. वर्ष 2018 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा पाने वाला कूनो लगभग 748 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला है, जो श्योपुर और मुरैना जिलों तक विस्तृत है. इसका नामकरण कूनो नदी के नाम पर किया गया है, जो यहां के पारिस्थितिकी तंत्र को जीवन देती है. वर्ष 1981 में इसे वन्यजीव अभयारण्य घोषित किया गया था.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दौरे से पहले एक्शन में पुलिस

▸ आसपास के होटलों में छापे पड़ने से मचा हड़कंप

बैतूल, 21 दिसंबर. मध्यप्रदेश के बैतूल शहर में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं, चाकूबाजी और सड़क हादसों को देखते हुए कोतवाली पुलिस ने देर रात सघन जांच अभियान चलाया. यह कार्रवाई 23 दिसंबर को मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के प्रस्तावित बैतूल दौरे के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के उद्देश्य से की गई.

अभियान के दौरान बस स्टैंड क्षेत्र सहित कोतवाली थाना क्षेत्र के होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, चाय की दुकानें, पान ठेले और देर रात तक खुले प्रतिष्ठानों की गहन जांच की गई. इस दौरान कई होटलों और रेस्टोरेंट में ग्राहकों को खुलेआम शराब पीते हुए पाया गया. पुलिस को देखते ही कई शराबी मौके से भाग निकले. बस स्टैंड क्षेत्र के कुछ होटल और रेस्टोरेंट में टेबलों पर शराब की बोतलें रखी मिलीं, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यहां आहते की तर्ज पर अवैध रूप से शराब परोसी जा रही थी. पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए उन्हें सख्त चेतावनी दी. जांच के दौरान कुछ प्रतिष्ठान निर्धारित समय के बाद भी खुले पाए गए.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60